आमोस

प्रस्तावना

1 आमोस का सन्देश। आमोस तकोई नगर का गड़ेरिया
था। यहूदा पर राजा उज्जिय्याह के शासन काल और
इस्राएल पर योआश के पुत्र राजा यारोबाम के शासन
काल में आमोस को इस्राएल के बारे में (अन्त)दर्शन
हुआ। यह भूकम्प के दो वर्ष पूर्व हुआ।

अराम के विरुद्ध दण्ड

2आमोस ने कहा: यहोवा सिय्योन में सिंह की तरह
दहाड़ेगा। यहोवा की दहाड़ यरूशलेम से होगी। गड़ेरियों
के हरे मैदान सूख जायेंगे। यहाँ तक कि कर्म्मेल पर्वत
भी सूखेगा।

3यह सब यहोवा कहता है: "मैं दमिश्क के लोगों को
उनके द्वारा किये गये अनेक अपराधों का दण्ड
अवश्य दूँगा। क्यों? क्योंकि उन्होंने गिलाद को, अन्न
को भूसे से अलग करने वाले लोहे के औजारों से पीटा।
4अत: मैं हजाएल के घर (सिरिया) में आग लगाऊँगा,
और वह आग बेन्हदद के ऊँचे किलों को नष्ट
करेगी।

5"मैं दमिश्क के द्वार की मजबूत छड़ों को भी तोड़
दूँगा। आवेन की घाटी में सिंहासन पर बैठने वाले व्यक्ति
को भी मैं नष्ट करूँगा। एदेन में राजदण्ड धारण करने
वाले राजा को भी मैं नष्ट करूँगा। अराम के लोग
पराजित होंगे। लोग उन्हें बन्दी बनाकर कीर देश में ले
जाएंगे।" यहोवा ने वह सब कहा।

पलिश्तियों को दण्ड

6यहोवा यह कहता है: "मैं निश्चय ही अज्जा के लोगों
द्वारा किये गए अनेक पापों के लिए उन्हें दण्ड दूँगा।
क्यों? क्योंकि उन्होंने लोगों के एक पूरे राष्ट्र को पकड़ा
और दास के रूप में एदोम को भेजा था। 7इसलिये मैं
अज्जा नगर की दीवार पर आग लगाऊँगा। यह आग
अज्जा के महत्त्वपूर्ण किलों को नष्ट करेगी 8मैं अशदोद
में राजसिंहासन पर बैठने वाले व्यक्ति को नष्ट करुँगा।
मैं अश्कलोन में राजदण्ड धारण करने वाले राजा को
नष्ट करुँगा। मैं एक्रोन के लोगों को दण्ड दूँगा। तब
अभी तक जीवित बचे पलिश्ती मरेंगे।" परमेश्वर यहोवा
ने वह सब कहा।

फनूशिया को दण्ड

9 यहोवा यह सब कहता है: "मैं निश्चय ही सोर के
लोगों को उनके द्वारा किये गए अनेक अपराधों के
लिए दण्ड दूँगा। क्यों? क्योंकि उन्होंने लोगों के एक पूरे
राष्ट्र को पकड़ा और एदोम को दास के रूप में भेजा
था। उन्होंने उस वाचा को याद नहीं रखा जिसे उन्होंने
अपने भाईयों (इस्राएल) के साथ किया था 10अत: मैं
सोर की दीवारों पर आग लगाऊँगा। वह आग सोर की
ऊँची मीनारों को नष्ट करेगी।"

एदोमियों को दण्ड

11यहोवा यह सब कहता है: "मैं निश्चय ही एदोम के
लोगों को उनके द्वारा किये गए अनेक अपराधों के
लिये दण्ड दूँगा। क्यों? क्योंकि एदोम ने अपने भाई
(इस्राएल) का पीछा तलवार लेकर किया। एदोम ने
तनिक भी दया न दिखाई। एदोम का क्रोध बराबर बना
रहा। वह जंगली जानवर की तरह इस्राएल को चीर–फाड़
करता रहा। 12अत: मैं तेमान में आग लगाऊँगा। वह
आग बोस्रा के ऊँचे किलों को नष्ट करेगी।"

अम्मोनियों को दण्ड

13यहोवा यह सब कहता है: "मैं निश्चय ही अम्मोन
के लोगों को उनके द्वारा किये गये अनेक अपराधों के
लिये दण्ड दूँगा। क्यों? क्योंकि उन्होंने गिलाद में गर्भवती
स्त्रियों को मार डाला। अम्मोनी लोगों ने यह इसलिये
किया कि वे उस देश को ले सकें और अपने देश को
बड़ा कर सकें। 14अत: मैं रब्बा की दीवार पर आग
लगाऊँगा। यह आग रब्बा के ऊँचे किलों को नष्ट
करेगी। युद्ध के दिन यह आग लगेगी। यह आग एक ऐसे
दिन लगेगी जब तूफ़ानी दिन में आँधियाँ चल रही होगी।
15तब इनके राजा और प्रमुख पकड़े जाएंगे। वे सब
एक साथ बन्दी बनाकर ले जाए जाएंगे।" यहोवा ने वह
सब कहाहै।

मोआब को दण्ड

2 यहोवा यह सब कहता है: "मैं मोआब के लोगों को
इनके द्वारा किये गए अपराधों के लिए अवश्य
दण्ड दूँगा। क्यों? क्योंकि मोआब ने एदोम के राजा की

हड्डियों को जलाकर चूना बनाया। 2अत: मैं मोआब में आग लगाऊँगा और वह आग करिय्योत के ऊँचे किलों को नष्ट करेगी। वहाँ भयंकर चिल्लाहट और तुरही का घोष होगा, और मोआब मर जाएगा। 3अत: मैं मोआब के राजाओं को समाप्त कर दूँगा और मैं मोआब के सभी प्रमुखों को मार डालूँगा।" यहोवा ने वह सब कहा।

यहूदा को दण्ड

4यहोवा यह कहता है: "मैं यहूदा को उसके द्वारा किये अनेकों अपराधों के लिये अवश्य दण्ड दूँगा। क्यों? क्योंकि उन्होंने यहोवा के आदेशों को मानने से इन्कार किया। उन्होंने उनके आदेशों का पालन नहीं किया। उनके पूर्वजों ने झूठ पर विश्वास किया और उन झूठी बातों ने यहूदा के लोगों से परमेश्वर का अनुसरण करना छुड़ाया। 5इसलिये मैं यहूदा में आग लगाऊँगा और यह आग यरूशलेम के ऊँचे किलों को नष्ट करेगी।"

इस्राएल को दण्ड

6यहोवा यह कहता है: "मैं इस्राएल को उनके द्वारा किये गए अनेकों अपराधों के लिये दण्ड अवश्य दूँगा। क्यों? क्योंकि उन्होंने चाँदी के चन्द टुकड़ों के लिये अच्छे और भोले-भाले लोगों को दास के रूप में बेचा। उन्होंने एक जोड़ी जूते के लिए गरीब लोगों को बेचा। 7उन्होंने उन गरीब लोगों को धक्का दे मुँह के बल गिराया और वे उनको कुचलते हुये गए। उन्होंने कष्ट भोगते लोगों की एक न सुनी। पिताओं और पुत्रों ने एक ही युवती के साथ शारीरिक सम्बन्ध किया। उन्होंने मेरे पवित्र नाम को अपवित्र किया है। 8उन्होंने गरीब लोगों के वस्त्रों को लिया और वे उन पर गलीचे की तरह तब तक बैठे जब तक वे वेदी पर पूजा करते रहे। उन्होंने गरीबों को उनके वस्त्र गिरवी रखकर सिक्के उधार दिये। उन्होंने लोगों को जुर्माना देने को मजबूर किया और उस जुर्माने की रकम से अपने परमेश्वर के मन्दिर में पीने के लिये दाखमधु खरीदी।

9"किन्तु मैंने ही उनके पहले एमोरियों को नष्ट किया था। एमोरी ऊँचे बरगद के पेड़ की तरह थे। वे उतने शक्तिशाली थे जितने बांज के पेड़। किन्तु मैंने उनके ऊपर के फल तथा उनके नीचे की जड़ें नष्ट कीं।

10"वह मैं ही था जो तुम्हें मिस्र देश से निकाल कर लाया। चालीस वर्ष तक मैं तुम्हें मरुभूमि से होकर लाया। मैंने तुम्हें एमोरियों की भूमि पर कब्जा कर लेने में सहायता दी। 11मैंने तुम्हारे कुछ पुत्रों को नबी बनाया। मैंने तुम्हारे युवकों में से कुछ को नाजीर बनाया। इस्राएल के लोगों, यह सत्य है।" यहोवा ने यह सब कहा। 12"किन्तु तुम लोगों ने नाजीरों को दाखमधु पिलाई। तुमने नबियों को भविष्यवाणी करने से रोका। 13तुम लोग मेरे लिये भारी बोझ की तरह हो। मैं उस गाड़ी की तरह हूँ जो अत्याधिक अनाज से लदी होने के कारण झुकी हो। 14कोई भी व्यक्ति बचकर नहीं निकल पाएगा, यहाँ तक कि सर्वाधिक तेज दौड़ने वाला भी। शक्तिशाली पुरुष भी पर्याप्त शक्तिशाली नहीं रहेंगे। सैनिक अपने को नहीं बचा पाएँगे। 15धनुष और बाण वाले भी नहीं बच पाएंगे। तेज दौड़ने वाले भी नहीं बच निकलेंगे। घुड़सवार भी जीवित भाग नहीं पाएंगे। उस समय, बहुत वीर योद्धा भी नंगे हाथों भाग खड़े होंगे। उन्हें अपने वस्त्र पहनने तक का समय भी नहीं मिलेगा।" यहोवा ने यह सब कहा है!

इस्राएल को चेतावनी

3 इस्राएल के लोगों, इस सन्देश को सुनो! यहोवा ने तुम्हारे बारे में यह सब कहा है! यह सन्देश उन सभी परिवारों (इस्राएल) के लिये है जिन्हें मैं मिस्र देश से बाहर लाया हूँ।

2"पृथ्वी पर अनेक परिवार हैं। किन्तु तुम अकेले परिवार हो जिसे मैंने विशेष ध्यान देने के लिये चुना। किन्तु तुम मेरे विरुद्ध हो गए। अत: मैं तुम्हारे सभी पापों के लिये दण्ड दूँगा।"

इस्राएल को दण्ड देने का कारण

3दो व्यक्ति तब तक एक साथ नहीं चल सकते जब तक वे कोई वाचा न करें! 4जंगल में सिंह अपने शिकार को पकड़ने के बाद ही गरजता है। यदि कोई जवान सिंह अपनी माँद में गरज रहा हो तो उसका संकेत यही है कि उसने अपने शिकार को पकड़ लिया है। 5कोई चिड़िया भूमि पर जाल में तब तक नहीं पड़ेगी जब तक उसमें कोई चुग्ग न हो और यदि जाल बन्द हो जाये तो वह चिड़िया को फँसा लेगा। 6यदि कोई तुरही खतरे की चेतावनी देगी तो लोग भय से अवश्य काँप उठेंगे। यदि कोई विपत्ति किसी नगर में आई हो तो उसे यहोवा ने भेजा। 7मेरा स्वामी यहोवा कुछ भी करने का निश्चय कर सकता है। किन्तु कुछ भी करने से पहले वह अपने सेवक नबियों को अपनी छिपी योजना बतायेगा। 8यदि कोई सिंह दहाड़ेगा तो लोग भयभीत होंगे। यदि यहोवा कुछ भविष्यवक्ता से कहेगा तो वह भविष्यवाणी करेगा।

9-10अशदोद और मिस्र के ऊँचे किलों पर जाओ और इस सन्देश की घोषणा करो: "शोमरोन के पर्वतों पर जाओ। वहाँ तुम बड़ी गड़बड़ी पाओगे। क्यों? क्योंकि लोग नहीं जानते कि ठीक कैसे रहा जाता है। वे अन्य लोगों के प्रति क्रूर थे। वे अन्य लोगों से चीजें लेते थे और उन चीजों को अपने ऊँचे किलों में छिपाते थे। उनके खजाने युद्ध में ली गई उनकी चीजों से भरे हैं।"

11अत: यहोवा कहता है, "उस देश में एक शत्रु
आएगा। वह शत्रु तुम्हारी शक्ति ले लेगा। वह उन चीजों
को ले लेगा जिन्हें तुमने अपने ऊँचे किलों में छिपा रखा
है।"
12यहोवा यह कहता है, "जैसे जब कोई सिंह किसी
मेमने पर झपटता है तो गड़ेरया उस मेमने का केवल
कोई हिस्सा ही बचा सकता है। वह सिंह के मुँह से
उसके दो पैर, या उसके कान के एक हिस्से को ही
खींच सकता है। ठीक इसी तरह इस्राएल के अधिक
लोग नहीं बचाये जा सकेंगे। सामारिया में रहने वाले
लोग अपने बिछौने का कोई कोना या अपनी चौकी का
कोई पाया ही बचा पाएंगे।"
13मेरे स्वामी सर्वशक्तिमान परमेश्वर यहोवा, यह
कहता है: "याकूब (इस्राएल) के परिवार के लोगों को
इन बातों की चेतावनी दो। 14इस्राएल ने पाप किया और
मैं उनके पापों के लिये उन्हें दण्ड दूँगा। मैं बेतेल की
वेदी को भी नष्ट करूँगा। वेदी की सींगे काट दी जाएंगी
और वे भूमि पर गिर जाएंगी। 15मैं गर्मी के गृहों के साथ
शीतकालीन गृहों को भी नष्ट करूँगा। हाथी दाँत से
सजे गृह भी नष्ट होंगे। अनेकों गृह नष्ट किये जाएंगे।"
यहोवा यह सब कहता है।

आनन्दप्रिय स्त्री

4 शोमरोन के पर्वत की बाशान की गायों मेरी बात
सुनो। तुम गरीब लोगों को चोट पहुँचाती हो। तुम
उन गरीबों को कुचलती हो। तुम अपने अपने पतियों से
कहती हो,"पीने के लिये हमारे लिये कोई दाखमधु
लाओ!"
2मेरा स्वामी यहोवा ने मुझे एक वचन दिया। उसने
अपनी पवित्रता के नाम प्रतिज्ञा की, कि तुम पर विपत्तियाँ
आएंगी। लोग काँटों का उपयोग करेंगे और तुम्हें बन्दी
बनाकर ले जाएंगे। वे तुम्हारे बच्चों को ले जाने के लिये
मछलियों को फँसाने के काँटों का उपयोग करेंगे। 3तुम्हारा
नगर नष्ट होगा। तुम दीवारों के छेदों से नगर के बाहर
जाओगी। तुम अपने आपको शवों के ढेर पर फेंकोगी।
यहोवा यह कहता है: 4"बेतेल जाओ और पाप करो!
गिल्गाल जाओ तथा और अधिक पाप करो। अपनी
बलियों की भेंट प्रात:काल करो। तीन दिन वाले पवित्र
दिनों में अपनी फसल का दसवाँ भाग लाओ 5और
खमीर के साथ बनी धन्यवाद भेंट चढ़ाओ। हर एक को
स्वेच्छा भेंट के बारे में बताओ। इस्राएल, तुम उन्हें
करना पसन्द करते हो। अत: जाओ और वही करो।"
यहोवा ने यह कहा।
6 "मैंने तुम्हें अपने पास बुलाने के लिये कई काम
किये। मैंने तुम्हें खाने को कुछ भी नहीं दिया। तुम्हारे
किसी भी नगर में भोजन नहीं था। किन्तु तुम मेरे पास
वापस नहीं लौटे।" यहोवा ने यह सब कहा।
7"मैंने वर्षा भी बन्द की और यह फसल पकने के
तीन महीने पहले हुआ। अत: कोई फसल नहीं हुई। तब
मैंने एक नगर पर वर्षा होने दी किन्तु दूसरे नगर पर
नहीं। वर्षा देश के एक हिस्से में हुई। किन्तु देश के
अन्य भागों में भूमि बहुत सूख गई। 8अत: दो या तीन
नगरों से लोग पानी लेने के लिये दूसरे नगरों को
लड़खड़ाते हुए गए किन्तु वहाँ भी हर एक व्यक्ति के
लिये पर्याप्त जल नहीं मिला। तो भी तुम मेरे पास
सहायता के लिये नहीं आए।" यहोवा ने यह सब कहा।
9"मैंने तुम्हारी फसलों को गर्मी और बीमारी से मार
डाला। मैंने तुम्हारे बागों और अंगूर के बगीचों को नष्ट
किया। टिड्डियों ने तुम्हारे अंजीर के पेड़ों और जैतून
के पेड़ों को खा डाला। किन्तु फिर भी तुम मेरे पास
सहायता को नहीं आए।" यहोवा ने यह सब कहा।
10"मैंने तुम्हारे विरुद्ध महामारियाँ वैसे ही भेजीं जैसे
मैंने मिस्र में भेजी थीं। मैंने तुम्हारे युवकों को तलवार
के घाट उतार दिया। मैंने तुम्हारे घोड़े ले लिए। मैंने
तुम्हारे डेरों को शवों की दुर्गन्ध से भरा। किन्तु तब भी
तुम मेरे पास सहायता को वापस नहीं लौटे।" यहोवा ने
यह सब कहा। 11"मैंने तुम्हें वैसे ही नष्ट किया जैसे मैंने
सदोम और अमोरा को नष्ट किया था और वे नगर
पूरी तरह नष्ट किये गये थे। तुम आग से खींची गई
जलती लकड़ी की तरह थे। किन्तु तुम फिर भी सहायता
के लिये मेरे पास नहीं लौटे।" यहोवा ने यह सब कहा।
12"अत: इस्राएल, मैं तुम्हारे साथ यह सब करुँगा। मैं
तुम्हारे साथ यह करुँगा। इस्राएल, अपने परमेश्वर से
मिलने के लिये तैयार हो जाओ! 13मैं कौन हूँ? मैं वही
हूँ जिसने पर्वतों को बनाया। मैंने तुम्हारा प्राण बनाया।
मैंने लोगों को अपने विचार जनाए। मैं ही सुबह को
शाम में बदलता हूँ। मैं पृथ्वी के ऊपर के पर्वतों पर
चलता हूँ। मैं कौन हूँ? मेरा नाम यहोवा, सेनाओं का
परमेश्वर है।"

इस्राएल के लिये शोक सन्देश

5 इस्राएल के लोगों, इस सन्देश को सुनो, यह शोक
सन्देश तुम्हारे विषय में है। 2इस्राएल की कुमारी
गिर गई है। वह अब कभी उठेगी नहीं। वह धूलि में पड़ी
अकेली छोड़ दी गई है। उसे उठाने वाला कोई व्यक्ति
नहीं है।
3मेरे स्वामी यहोवा यह कहता है: "हजार सैनिकों के
साथ नगर से जाने वाले अधिकारी केवल सौ सैनिकों
के साथ लौटेंगे। सौ सैनिकों के साथ नगर छोड़ने वाले
अधिकारी केवल दस सैनिको के साथ लौटेंगे।"

यहोवा इस्राएल को अपने पास लौटने के लिये प्रोत्साहित करता है

4यहोवा इस्राएल के घराने से यह कहता है: "मेरी
खोज करते आओ और जीवित रहो।

5"किन्तु बेतेल में न खोजो। गिल्गाल मत जाओ। सीमा को पार न करो और बेर्शेबा न जाओ। गिल्गल के लोग बन्दी के रूप में ले जाए जाएंगे और बेतेल नष्ट किया जाएगा।

6"यहोवा के पास जाओ और जीवित रहो। यदि तुम यहोवा के यहाँ नहीं जाओगे, तो यूसुफ के घर में आग लगेगी। आग यूसुफ के परिवार को नष्ट करेगी और बेतेल में उसे कोई भी नहीं रोक सकेगा।

7-9"तुम्हें सहायता के लिए यहोवा के पास जाना चाहिये। ये वही है जिसने कचपचिया और मृगशिरा को बनाया। वह अन्धकार को प्रात: प्रकाश में बदलता है। वह दिन को अंधेरी रात में बदलता है। वह समुद्र से जल को उठा कर उसे पृथ्वी पर बरसाता है। उसका नाम यहोवा है वह शक्तिशाली नगरों के मजबूत किलों को ढहा देताहै।"

इस्राएलियों द्वारा किये गए बुरे काम

लोगों, यह तुम्हारे लिये बहुत बुरा होगा तुमने अच्छाई को कड़वाहट में बदला। तुमने औचित्य को मार डाला और इसे धूलि में मिला दिया। 10नबी सामाजिक स्थानों पर जाते हैं और उन बुरे कामों के विरुद्ध बोलते हैं जिन्हें लोग किया करते हैं। किन्तु लोग उन नबियों से घृणा करते हैं। नबी सत्य कहते हैं, किन्तु लोग उन नबियों से घृणा करते हैं।

11तुम गरीबों से अनुचित कर वसूलते हो। तुम उनसे ढेर सारा गेहूँ लेते हो और इस धन का उपयोग तुम तराशे पत्थरों से सुन्दर महल बनाने में करते हो। किन्तु तुम उन महलों में नहीं रहोगे। तुम अंगूरों की बेलों के सुन्दर खेत बनाते हो। किन्तु तुम उनसे प्राप्त दाखमधु को नहीं पीओगे।

12क्यों? क्योंकि मैं तुम्हारे अनेक पापों को जानता हूँ। तुमने, सच ही, कुछ बुरे काम किये है। तुमने उचित काम करने वालों को चोट पहुँचाई। तुमने घूस के रूप में धन लिया। गरीब लोगों के साथ अनेक मुकद्दमों में तुमने अन्याय किया।

13उस समय बुद्धिमान चुप रहेंगे। क्यों? क्योंकि यह बुरा समय है।

14तुम कहते हो कि परमेश्वर हमारे साथ है। अत: अच्छे काम करो, बुरे नहीं। तब तुम जीवित रहोगे और सर्वशक्तिमान परमेश्वर यहोवा सच ही तुम्हारे साथ होगा। 15बुराई से घृणा करो। अच्छाई से प्रेम करो। न्यायालयों में न्याय वापस लाओ और तब संभव है कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर यहोवा यूसुफ परिवार के बचे लोगों पर दयालु हो।

बड़े शोक का समय आ रहा है

16यही कारण है कि मेरा स्वामी सर्वशक्तिमान परमेश्वर यह कह रहा है, "लोग सभी सार्वजनिक स्थानों में रोएंगे, लोग सड़को पर रोएंगे। लोग पेशेवर रोने वालों को भाड़े पर रखेंगे।

17"लोग अंगूर के सभी खेतों में रोएंगे। क्यों? क्योंकि मैं वहाँ से निकलूँगा और तुम्हें दण्ड दूँगा।" यहोवा ने यह सब कहा है।

18तुममे से कुछ यहोवा के न्याय के विशेष दिन को देखना चाहते हैं। तुम उस दिन को क्यों देखना चाहते हो? यहोवा का विशेष दिन तुम्हारे लिये अन्धकार लाएगा, प्रकाश नही।

19तुम किसी सिंह के सामने से बच कर भाग निकलने वाले ऐसे व्यक्ति के समान होगे जिस पर भागते समय रीछ आक्रमण कर देता है और फिर जब वह उस रीछ से भी बच निकलकर किसी घर में जा घुसता है तो वहाँ दीवार पर हाथ रखते ही, उसे साँप डस लेता है!

20अत: यहोवा का विशेष दिन अन्धकार लाएगा, प्रकाश नहीं, यह शोक का समय होगा उल्लास का नहीं।

यहोवा इस्राएलियों की आराधना अस्वीकार कर रहाहै

21मै तुम्हारे पवित्र दिनों से घृणा करता हूँ! मैं उन्हें स्वीकार नहीं करूँगा! मै तुम्हारी धार्मिक सभाओं का आनन्द नहीं लेता!

22यदि तुम होमबलि और अन्नबलि भी दोगे तो मैं स्वीकार नहीं करूँगा। तुम जिन मोटे जानवरों को शान्ति–भेंट के रूप मे दोगे उन्हें मैं देखूँगा भी नहीं।

23 तुम यहाँ से अपने शोरगुल वाले गीतों को दूर करो। मैं तुम्हारी वीणा के संगीत को नहीं सुनूँगा।

24तुम्हें अपने सारे देश में न्याय को नदी की तरह बहने देना चाहिये। अच्छाई को सदा सरिता की धारा की तरह बहने दो जो कभी सूखती नहीं।

25इस्राएल, तुमने चालीस वर्ष तक मरुभूमि में मुझे बलि और भेंट चढ़ाई।

26 तुम अपने राजा (देवता) सक्कुथ और नक्षत्र देवता कैवन की मूर्तियों को लेकर चले। इन देवताओं की मूर्तियों को स्वयं तुमने अपने लिए बनाया था।

27अत: मैं तुम्हें बन्दी बनाकर दमिश्क के पार पहुँचाऊँगा यह सब यहोवा कहता है। उसका नाम सर्वशक्तिमान परमेश्वर है।

इस्राएल से अच्छा समय ले लिया जाएगा

6 सिय्योन के तुम लोगों में से कुछ का जीवन बहुत आराम का है। सामारिया पर्वत के कुछ लोग अपने को सुरक्षित अनुभव करते है। किन्तु तुम पर अनेक विपत्तियाँ आएंगी। राष्ट्रों के सर्वोत्तम नगरों के तुम "सम्मानित" लोग हो। "इस्राएल के लोग" न्याय पाने के लिए तुम्हारे पास आते है!

2जाओ और कलने पर ध्यान दो। वहाँ से विशाल
नगर हमात को जाओ। पलिश्ती नगर गत को जाओ।
क्या तुम इन राज्यों से अच्छे हो? नहीं। उनके देश
तुम्हारे से बड़े हैं। 3तुम लोग वह काम कर रहे हो, जो
दण्ड के दिन को समीप लाता है। तुम हिंसा के शासन
को समीप, और समीप ला रहे हो।

4किन्तु तुम सभी विलासों का भोग करते हो। तुम
हाथी दाँत की सेज पर सोते हो और अपने बिछौने पर
आराम करते हो। तुम रेवड़ों में से कोमल मेमने और
बाड़ों में से नये बछड़े खाते हो।

5तुम अपनी वीणायें बजाते हो और राजा दाऊद की
तरह अपन वाद्यों पर अभ्यास करते हो।

6तुम सुन्दर प्यालों में दाखमधु पीया करते हो। तुम
सर्वोत्तम तेलों से अपनी मालिश करते हो और तुम्हें
इसके लिये घबराहट भी नहीं कि यूसुफ का परिवार
नष्ट किया जा रहा है।

7वे लोग अब अपने बिछौने पर आराम कर रहे है।
किन्तु उनका अच्छा समय समाप्त होगा। वे बन्दी के
रूप में विदेशों में पहुँचाये जाएंगे और वे प्रथम पकड़े
जाने वालों में से कुछ होंगे। 8मेरे स्वामी यहोवा ने यह
प्रतिज्ञा की थी। उन्होंने अपना नाम सर्वशक्तिमान
परमेश्वर यहोवा लिया और यह प्रतिज्ञा की: "मै उन
बातों से घृणा करता हूँ, "जिन पर याकूब को गर्व है। मैं
उसकी दृढ़ मीनारों से घृणा करता हूँ। अत: मैं शत्रु
को नगर तथा नगर की हर एक चीज लेने दूँगा।"

थोड़े से इस्राएली जीवित बचेंगे

9उस समय, किसी घर में यदि दस व्यक्ति जीवित
बचेंगे तो वे भी मर जाएंगे। 10जब कोई मर जाएगा तब
कोई सम्बन्धी शव लेने आएगा, जिससे वह उसे बाहर
ले जा सके और जला सके। सम्बन्धी घर में से हड्डियों
लेने आएगा। लोग किसी भी उस व्यक्ति से जो घर के
भीतर छिपा होगा, पूछेंगे, "क्या तुम्हारे पास कोई अन्य
शव है?" वह व्यक्ति उत्तर देगा, "नहीं। तब व्यक्ति के
सम्बन्धी कहेंगे, "चुप! हमें यहोवा का नाम नहीं लेना
चाहिये।"

11देखो, परमेश्वर यहोवा आदेश देगा और विशाल
महल टुकड़े-टुकड़े किये जाएंगे और छोटे घर छोटे-छोटे
टुकड़ों में तोड़े जाएंगे।

12क्या घोड़े शिलाखंड़ो पर दौड़ते हैं? नहीं! क्या लोग
समुद्र को बैलों से जोत सकते है? नहीं।

तो भी तुम हर चीज को उलट-पलट देते हो। तुम
अच्छाई और न्याय को जहर में बदल देते हो।

13तुम लो-देवर में प्रसन्न हो, तुम कहते हो, "हमने
करनैम को अपनी शक्ति से जीता है।"

14"किन्तु इस्राएल, मैं तुम्हारे विरुद्ध एक राष्ट्र को
भेजूँगा। वह राष्ट्र तुम्हारे सारे देश को, लेबो-हमात से
लेकर अराबा नाले तक विपत्ति में डालेंगे।" सर्वशक्तिमान
परमेश्वर यहोवा ने वह सब कहा।

दर्शन में टिड्डियाँ

7 यहोवा ने मुझे यह दिखाया: उसने दूसरी फसल
उगने के समय टिड्डी दलों की रचना आरम्भ
कीं। राजा द्वारा प्रथम फसल काट लिये जाने का बाद
यह दूसरी फसल थी। 2टिड्डियों ने देश की सारी घास
खा डाली। उसके बाद मैंने कहा, "मेरे स्वामी यहोवा, मैं
प्रार्थना करता हूँ, हमें क्षमा कर! याकूब बच नहीं
सकता! वह अत्यन्त छोटा है!"

3तब यहोवा ने इसके बारे में अपने विचार को बदला।
यहोवा ने कहा, "ऐसा नहीं होगा।"

दर्शन में आग

4मेरे स्वामी यहोवा ने मुझे ये चीजें दिखाई: मैंने देखा
कि यहोवा परमेश्वर अग्नि को वर्षा की तरह बरसने
के लिए बुला रहा है। अग्नि ने विशाल गहरे समुद्र को
नष्ट कर दिया। अग्नि भूमि को चट करने लगी। 5
किन्तु मैंने कहा, "हे परमेश्वर यहोवा, मैं तुमसे प्रार्थना
करता हूँ, ठहर। याकूब बच नहीं सकता! वह बहुत
छोटा है!"

6तब यहोवा ने इसके बारे में अपना विचार बदला।
परमेश्वर यहोवा ने कहा, "ऐसा नहीं होगा।"

दर्शन में साहुल

7यहोवा ने मुझे यह दिखाया: यहोवा एक दीवार के
सहारे एक साहुल अपने हाथ में लेकर खड़ा हुआ था।
दीवार साहुल से सीधी की गई थी। 8यहोवा ने मुझसे
कहा, "आमोस, तुम क्या देखते हो?"

मैंने कहा, "साहुल।"

तब मेरे स्वामी ने कहा, "देखो, मैं अपने इस्राएल के
लोगों पर साहुल का उपयोग करूँगा। मैं अब और आगे
उनके टेढ़ेपन को नजरन्दाज नहीं करूँगा। मैं उन बुरे
भागों को काट फेकूँगा। 9इसहाक के उच्च स्थान नष्ट
किये जाएंगे। इस्राएल के पवित्र स्थान चट्टान की ढेरों
में बदल दिये जाएंगे। मैं आक्रमण करूँगा और यारोबाम
के परिवार को तलवार के घाट उतारूँगा।"

अमस्याह आमोस को भविष्यवाणी करने से रोकने का प्रयत्न करता है

10बेतेल के याजक अमस्याह ने इस्राएल के राजा
यारोबाम को यह सन्देश भेजा: "आमोस तुम्हारे विरुद्ध
षड़यन्त्र रच रहा है। वह इस्राएल के लोगों को तुम्हारे
विरुद्ध युद्ध के लिये भड़का रहा है। वह इतना अधिक
कह रहा है कि उसके शब्द पूरे देश में भी समा नहीं
सकते। 11आमोस ने कहा है, 'यारोबाम तलवार के घाट

उतरेगा और इस्राएल के लोगों को बन्दी बनाकर अपने
देश से बाहर ले जाए जाएंगे।'"
12अमस्याह ने भी आमोस से कहा, "हे दर्शी, यहूदा
जाओ और वहीं खाओ। अपने उपदेश वहीं दो। 13किन्तु
यहाँ बेतेल में और अधिक उपदेश मत दो! यह यारोबाम
का पवित्र स्थान है। यह इस्राएल का मन्दिर है!"
14तब आमोस ने अमस्याह को उत्तर दिया, "मैं पेशेवर
नबी नहीं हूँ और मैं नबी के परिवार का नहीं हूँ। मैं पशु
पालता हूँ और गूलर के पेड़ो की देखभाल करता हूँ।
15मैं गड़ेरिया था और यहोवा ने मुझे भेड़ों को चराने से
मुक्त किया। यहोवा ने मुझसे कहा, 'जाओ, मेरे लोग
इस्राएलियों में भविष्यवाणी करो।' 16इसलिये यहोवा के
सन्देश को सुनो। तुम मुझसे कहते हो 'इस्राएल के
विरुद्ध भविष्यवाणी मत करो। इसहाक के परिवार के
विरुद्ध उपदेश मत दो।' 17किन्तु यहोवा कहता है: 'तुम्हारी
पत्नी नगर मे वेश्या बनेगी। तुम्हारे पुत्र और पुत्रियाँ
तलवार द्वारा मारे जाएंगे। अन्य लोग तुम्हारी भूमि लेंगे
और आपस में बाटेंगे और तुम विदेश में मरोगे। इस्राएल
के लोग निश्चय ही, इस देश से बन्दी के रूप में ले जाए
जाएंगे।'"

दर्शन में पके फल

8 यहोवा ने मुझे यह दिखाया: मैंने ग्रीष्म के फलों की
एक टोकरी देखी: 2यहोवा ने पूछा, "आमोस, तुम
क्या देखते हो?"
मैंने कहा, "ग्रीष्म के फलों की एक टोकरी।"
तब यहोवा ने मुझसे कहा, "मेरे लोग इस्राएलियों का
अन्त आ गया है। मैं उनके पापों को और अनदेखा नहीं
कर सकता। 3मन्दिर के गीत शोक गीत बन जाएंगे।
मेरे स्वामी यहोवा ने यह सब कहा। सर्वत्र शव ही होंगे।
सन्नाटे में लोग शवों को ले जाएंगे और उनके ढेर लगा
देंगे।"

इस्राएल के व्यापारी केवल धन बनाने में लगे रहना चाहते है

4मेरी सुनो! लोगों तुम असहायों को कुचलते हो। तुम
इस देश के गरीबों को नष्ट करना चाहते हो।
5व्यापारियों, तुम कहते हो, "नवचन्द्र कब बीतेगा,
जिससे हम अन्न बेच सकेंगे? सब्त कब बीतेगा, जिससे
हम अपना गेहूँ बेचने को ला सकेंगे? हम कीमते बढ़ा
सकेंगे, बाटों को हलका कर सकेंगे, और हम तराजुओं
को ऐसा व्यवस्थित कर लेगें कि लोगों को ठग सकें।
6"गरीब अपना ऋण वापस नहीं कर सकते अत: हम
उन्हें दास के रूप में खरीदेंगे। हम उन गरीबों को एक
जोड़ी जूतों की कीमत में खरीदेंगे। अहो! हम उस
खराब गेहूँ को भी बेच सकते हैं, जो फर्श पर बिखर
गया हो।"
7यहोवा ने प्रतिज्ञा की। उसने "याकूब गर्व" नामक
अपने नाम का उपयोग किया और यह प्रतिज्ञा की: "मैं
उन लोगों के किये कामों के लिए उन्हें क्षमा नहीं कर
सकता।
8"उन कामों के कारण पूरा देश काँप जाएगा। इस
देश का हर एक निवासी मृतकों के लिये रोयेगा। पूरा
देश मिस्र में नील नदी की तरह उमड़ेगा और नीचे
गिरेगा। पूरा देश चारों ओर उछाल दिया जायेगा।"
9यहोवा ने ये बाते भी कहीं: "उस समय, मैं सूरज
दोपहर में ही अस्त करूँगा। मैं प्रकाश भरे दिन में पृथ्वी
को अन्धकारपूर्ण करूँगा।
10"मैं तुम्हारे पवित्र दिनों को मृतकों के लिए शोक–
दिवस में बदलूँगा। तुम्हारे सभी गीत मृतकों के लिये
शोक गीत बनेंगे। मैं हर एक को शोक वस्त्र पहनाऊँगा।
मैं हर एक सिर को मुँड़वा दूँगा। मैं ऐसा गहरा शोक
भरा रोना बनाऊँगा मानो वह एक मात्र पुत्र के शोक
का हो। यह एक अत्यन्त कटु अन्त होगा।'

परमेश्वर के संसार के लिए भयंकर भुखमरी पूर्ण भविष्य

11यहोवा कहता है: "देखो, वे दिन समीप आ रहे हैं,
जब मैं देश मे भुखमरी लाऊँगा, लोग रोटी के भूखे और
पानी के प्यासे नहीं होंगे, बल्कि लोग यहोवा के वचन
के भूखे होंगे।
12"लोग एक सागर से दूसरे सागर तक भटकेंगे। वे
उत्तर से दक्षिण तक भटकेंगे। वे लोग यहोवा के सन्देश
के लिये आगे बढ़ेंगे, पीछे हटेंगे, किन्तु वे उसे पाएंगे
नहीं।
13"उस समय सुन्दर युवतियाँ और युवक प्यास के
कारण बेहोश हो जाएंगे। 14उन लोगों ने शोमरोन के
पाप के नाम पर प्रतिज्ञायें की। उन्होंने कहा, 'दान
तुम्हारे देवता की सत्ता निश्चित सत्य है, इससे हम
प्रतिज्ञा करते हैं...,' और बेर्शेबा के देवता की सत्ता
निश्चित सत्य है, इससे हम प्रतिज्ञा करते है...,' अत:
उन लोगों का पतन होगा और वे फिर कभी उठेंगे
नहीं।"

दर्शन में यहोवा का वेदी के सहारे खड़ा होना

9 मैंने अपने स्वामी को वेदी के सहारे खड़ा देखा।
उसने कहा, "स्तम्भों के सिरे पर प्रहार करो, और
पूरी इमारत की देहली तक काँप उठेगी। स्तम्भों को
लोगों के सिर पर गिराओ। यदि कोई जीवित बचेगा, सो
उसे तलवार से मारो। कोई व्यक्ति भाग सकता है,
किन्तु वह बच नहीं सकेगा। लोगों में से कोई भी व्यक्ति
बचकर नहीं निकलेगा।
2"यदि वे नीचे पाताल में खोदकर जाएंगें, मैं उन्हें
वहाँ से खींच लूँगा। यदि वे ऊपर आकाश में जाएंगे मैं

उन्हें वहाँ से नीचे लाऊँगा। 3यदि वे कर्म्मेल पर्वत की चोटी पर जा छिपेंगे, मैं उन्हें वहाँ खोज लूँगा और मैं उन्हें उस स्थान से ले आऊँगा। यदि वे मुझसे, समुद्र के तल में छिपना चाहते है, मैं सर्प को आदेश दूँगा और वह उन्हें डस लेगा।

4"यदि वे पकड़े जाएंगे और अपने शत्रु द्वारा ले जाए जाएंगे, मैं तलवार को आदेश दूँगा और वह उन्हें वहीं मारेगी। हाँ, मैं उन पर कड़ी निगाह रखूँगा किन्तु मैं उन्हें कष्ट देने के तरीकों पर निगाह रखूँगा। उनके लिये अच्छे काम करने के तरीकों पर नहीं।"

देश के लोगों को दण्ड नष्ट करेगा

5मेरे स्वामी सर्वशक्तिमान यहोवा, उस प्रदेश को छुएगा और वह पिघल जाएगा तब उस देश के सभी निवासी मृतकों के लिए रोएंगे। यह प्रदेश मिस्र की नील नदी की तरह ऊपर उठेगा और नीचे गिरेगा।

6यहोवा ने अपने ऊपर के निवास आकाश के ऊपर बनाए। उसने अपने आकाश को पृथ्वी पर रखा। वह सागर के जल को बुला लेता है, और देश पर उसकी वर्षा करता है। उसका नाम यहोवा है।

यहोवा इस्राएल को नष्ट करने का प्रतीज्ञा करता है

7यहोवा यह कहता है: "इस्राएल, तुम मेरे लिये कूशियों की तरह हो। मैं इस्राएल को मिस्र से निकाल कर लाया। मैं पलिश्तियों को भी कप्तोर से लाया और अरामियों को कीर से।"

8मेरे स्वामी यहोवा पापपूर्ण राज्य (इस्राएल) पर दृष्टि रखा है। यहोवा यह कहता है, "मैं पृथ्वी पर से इस्राएल को नष्ट कर दूँगा। किन्तु मैं याकूब के परिवार को पूरी तरह नष्ट नहीं करूँगा।

9"मैं इस्राएल के घराने को तितर–बितर करके अन्य राष्ट्रों में बिखेर देने का आदेश देता हूँ। यह उसी प्रकार होगा जैसे कोई व्यक्ति अनाज को छनने से छान देता है। अच्छा आटा उससे निकल जाता है, किन्तु बुरे अंश फँस जाते है। याकूब के परिवार के साथ ऐसा ही होगा।

10"मेरे लोगों के बीच पापी कहते हैं, 'हम लोगों के साथ कुछ भी बुरा घटित नहीं होगा!' किन्तु वे सभी लोग तलवार से मार दिये जाएँगे!"

परमेश्वर राज्य की पुनस्थापना की प्रतिज्ञा करता है

11"दाऊद का डेरा गिर गया है, किन्तु उस समय इस डेरे को मैं फिर खड़ा करूँगा। मैं दीवारो के छेदों को भर दूँगा। मैं नष्ट इमारतों को फिर से बनाऊँगा। मैं इसे ऐसा बनाऊँगा जैसा यह पहले था।

12फिर वे एदोम में जो लोग बच गये हैं, उन्हें और उन जातियों को जो मेरे नाम से जानी जाती हैं, ले जायेंगा।" यहोवा ने वे बातें कहीं, और वे उन्हें घटित करायेगा।

13यहोवा कहता है, "वह समय आ रहा है, जब हर प्रकार का भोजन बहुतायत में होगा। अभी लोग पूरी तरह फसल काट भी नहीं पायेंहोंगे कि जुताई का समय आ जायेगा। लोग अभी अंगूरों का रस निकाल ही रहे होंगे की अंगूरों की रुपाई का समय फिर आ पहुँचेगा। पर्वतों से दाखमधु की धार बहेगी और वह पहाड़ियों से बरसेगी।

14मैं अपने लोगों इस्राएलियों को देश निकाले से वापस लाऊँगा। वे नष्ट हुए नगरों को फिर से बनाएंगे और उन नगरों में रहेंगे। वे अंगूर की बेलों के बाग लगाएंगे और वे उन बागों से प्राप्त दाखमधु पीएंगे। वे बाग लगाएंगे और वे उन बागों के फलों को खाएंगे।

15मैं अपने लोगों को उनकी भूमि पर जमाऊँगा और वे पुन: उस देश से उखाड़े नहीं जाएंगे जिसे मैंने उन्हें दिया है।" यहोवा तुम्हारे परमेश्वर ने ये बाते कहीं।

Bible League International and its Global Partners provide Scriptures for millions of people who still do not have the life-giving hope found in God's Word. Every purchase of an Easy-to-Read Translation™ enables the printing of a Bible for a person who needs God's Word somewhere in the world. To provide even more Scriptures for more people, please make a donation at www.bibleleague.org/donate or contact us at Bible League International, 1 Bible League Plaza, Crete, IL 60417, USA. Bible League International exists to develop and provide Easy-to-Read Bible translations and Scripture resources for churches and partners as they help people meet Jesus.

Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™)
© 1995 Bible League International

Maps, Illustrations © Bible League International

Additional materials © Bible League International

All rights reserved.

This copyrighted material may be quoted up to 1000 verses without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. This copyright notice must appear on the title or copyright page:

> Taken from the Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™) © 1995 Bible League International and used by permission.

When quotations from the ERV are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials (ERV) must appear at the end of each quotation. Requests for permission to use quotations or reprints in excess of 1000 verses or more than 50% of the work in which they are quoted, or other permission requests, must be directed to and approved in writing by Bible League International.

God's Word. Local Church. Global Strategy.™

Bible League International
1 Bible League Plaza
Crete, IL 60417, USA
Phone: 866–825–4636
Email: permissions@bibleleague.org
Web: www.bibleleague.org

B-HIN-89800: ISBN: 978-1-935189-80-0 **B-HIN-89992: ISBN: 978-1-935189-99-2**
B-HIN-07536: ISBN: 978-1-61870-753-6 **B-HIN-61738-POD: ISBN: 978-1-62826-173-8**

Free downloads: www.bibleleague.org/downloads